REPORT
ON

"Nukkad Natak Drive"

By
NSS Unit
Of

Swami Keshvanand Institute of Technology , Management and Gramothan Jaipur Rajasthan

"NOT ME, BUT YOU"

Submitted by : Dr.Anurag Sharma
Associate Professor, Department of Chemistry
and
Program Officer, NSS

The purpose of education is to make good human beings with skill and expertise... Enlightened human beings can be created by teachers.
................A. P. J. Abdul Kalam

(Session : 2018-2019)

Introduction

India's vision of being a world leader in the 21st century is unlikely to be realized without an education system that keeps abreast with the needs of our future citizens.

Education is fundamental to human progress. It plays a prominent role in all-around development of individual as well as society. A large number of books have been written on the importance of education. Education plays a key role in creating patriotic, disciplined and productive manpower.
Educated manpower constitutes precious assets as well as agents for advancing the nation. Education means the fostering of personality through the unhampered development of innate qualities of a human being. It aims at integrated development of personality.

In principle, education to the citizen is the responsibility of the State since India is a welfare State. It is an integral part of the social sector of the economy. It adds to the efficiency and productivity of human resources leading to sustainable economic growth. Its direct and indirect effects can be observed on the performance of economic sector and social sector of the country. The role of State is important in education sector for its vertical and horizontal growth.

One of the major drawbacks of our present system of education in India is that it gives our students the impression that their aim in life is to pass the university examinations, instead of becoming a man of good character and sound temperament. This mentality has many socio-economic evils rooted in it. Naturally, the products of such education system do not contribute to the development of the country, but add to its woes.

The greatest drawback of present education system lies in the fact that there is a wide gap between education and its marketability. Our education system does not groom young men and women in a way that they can meet the requirement of job market. Every educated person wants to be a quill-driven, and only a few lucky ones are able to secure jobs in government or Private offices.

For improvement in Education system young minds of SKIT NSS students started a drive of Nukkad Natak for aware our citizens and administration for improve our

Education system during session 2018-19. Every Sunday different area selected for the event.

Glimpisis of Nukkad Natak

Glimpisis of Nukkad Natak

Media coverage

नुक्कड़ नाटक का आयोजन

संजीवनी दुडे

जयपुर। एनएसएस क्लब व प्रवाह 2019 के द्वारा शिक्षा व्यवस्था की खामियों को नुक्कड़ नाटक द्वारा प्रदर्शित किया गया। स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ़ टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एंड ग्रामोत्थान (एस.के.आई.टी) रामनगरिया, जगतपुरा, के एन.एस.एस क्लब (राष्ट्रीय सेवा योजना) व प्रवाह 2019 के विद्यार्थियो द्वारा रविवार, दिनांक 20, जनवरी, 2018 को जवाहर सर्किल परिसर में एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस नाटक के द्वारा हमारे देश की शिक्षा व्यवस्था की

Sanjeevni Today

नाटक से शिक्षा व्यवस्था की कमियों को किया उजागर

डेली न्यूज, mix रिपोर्टर

जयपुर। स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एंड ग्रामोत्थान एनएसएस क्लब व प्रवाह 2019 के स्टूडेंट्स की ओर से रविवार को को जवाहर सर्किल परिसर में नुक्कड़ नाटक खेला गया।

नाटक से देश की शिक्षा व्यवस्था की कमियों को लोगों के सामने लाने का सार्थक प्रयास किया गया। नाटक में दिखाया कि वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में स्टूडेंट्स पर जिस तरह पढ़ाई का दबाव डाला जा रहा है, उस दबाव को सहन न कर पाने पर स्टूडेंट्स आत्महत्या तक कर लेते हैं। ऐसे में देश की शिक्षा व्यवस्था को सरल व सटीक बनाने की जरूरत हैं। इस अवसर पर एसकेआईटी के एनएसएस क्लब के संयोजक डॉ. अनुराग शर्मा भी उपस्थित थे।

Daily News

नुक्कड़ नाटक आयोजित

Nav Xpress

स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एंड ग्रामोत्थान रामनगरिया, जगतपुरा के एन.एस.एस क्लब व प्रवाह 2019 के विद्यार्थियों ने रविवार को जवाहर सर्किल पर एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया। इस नाटक में बताया गया कि आज कल की शिक्षा व्यवस्था में विद्यार्थियों पर जिस तरह पढ़ाई का दबाव डाला जा रहा है। उस दबाव को सहन न कर पाने पर आत्महत्या जैसे असामाजिक कृत्य तक करने की नोबत आ जाती है। इस कारण हमारे देश में शिक्षा व्यवस्था को सरल व सटीक बनाने के तरीकों पर काम करने की आवश्कता है। इस अवसर एस.के.आई.टी के एन.एस.एस क्लब के संयोजक डॉ.अनुराग शर्मा भी उपस्थित थे।

Dainik Navjyoti

शिक्षा व्यवस्था की खामियों को नुक्कड़ नाटक में प्रदर्शित किया

जयपुर। एन.एस.एस क्लब (राष्ट्रीय सेवा योजना) व प्रवाह 2019 के द्वारा शिक्षा व्यवस्था की खामियों को नुक्कड़ नाटक द्वारा प्रदर्शित किया गया। स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एंड ग्रामोत्थान के एन.एस.एस क्लब (राष्ट्रीय सेवा योजना) व प्रवाह 2019 के विद्यार्थियो द्वारा रविवार को जवाहर सर्किल परिसर में एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस नाटक के द्वारा हमारे देश की शिक्षा व्यवस्था की कमियों से लोगों को जागरूक करने का एक सार्थक प्रयास किया गया। इस नाटक में बताया गया की आज कल की शिक्षा व्यवस्था में विद्यार्थियों पर जिस तरह पढ़ाई का दबाव डाला जा रहा है, उस दबाव को सहन न कर पाने पर आत्महत्या जैसे असामाजिक कृत्य तक करने की नोबत आ जाती है। इस कारण हमारे देश में शिक्षा व्यवस्था को सरल व सटीक बनाने के तरीकों पर काम करने की आवश्यकता है। ताकि हमारे देश के युवा इस तरह के असामाजिक कृत्य को करने की कभी भी ना सोचे। इस अवसर पर एस.के.आई.टी के एन.एस.एस क्लब (राष्ट्रीय सेवा योजना) के संयोजक डॉ. अनुराग शर्मा भी उपस्थित थे।

Samachar Jagat

नुक्कड़ नाटक में प्रदर्शित की शिक्षा व्यवस्था की खामियां

जयपुर, 22 जनवरी। स्वामी केशवानंद इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी मैनेजमेंट एंड ग्रामोत्थान (एस.के.आई.टी) रामनगरिया, जगतपुरा, के एन.एस.एस क्लब (राष्ट्रीय सेवा योजना) व प्रवाह 2019 के विद्यार्थियों द्वारा रविवार को जवाहर सर्किल परिसर में एक नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस नाटक के द्वारा हमारे देश की शिक्षा व्यवस्था की कमियों से लोगों को जागरूक करने का एक सार्थक प्रयास किया गया। इस नाटक में बताया गया कि आजकल की शिक्षा व्यवस्था में विद्यार्थियों पर जिस तरह पढ़ाई का दबाव डाला जा रहा है, उस दबाव को सहन न कर पाने पर आत्महत्या जैसे असामाजिक कृत्य तक करने की नौबत आ जाती है। इस कारण हमारे देश में शिक्षा व्यवस्था को सरल व सटीक बनाने के तरीकों पर काम करने की आवश्यकता है। ताकि हमारे देश के युवा इस तरह के असामाजिक कृत्य को करने की कभी भी ना सोचे। इस अवसर एस.के.आई.टी के एन.एस.एस क्लब के संयोजक डॉ. अनुराग शर्मा भी उपस्थित थे।

Sandhya Jyoti Darpan